कुल पृष्ठ संख्या– 28 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 0916174

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	4
2	06	20	4
3	12	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर

संकेतांक 81002

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय राजनीति विज्ञान

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 23-02-26

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–

   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।

   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।

5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	

प्रश्न	सही विकल्प	सही उत्तर
(i)	(ब)	1991
(ii)	(स)	एस्टोनिया। लातविया। लिथुआनिया।
(iii)	(स)	नाटो।
(iv)	(स)	ढाका।
(v)	(द)	न्यास परिषद
(vi)	(ब)	शरणार्थी
(vii)	(अ)	अमेरिका
(viii)	(ब)	ऑक्सीजन
(ix)	(अ)	1953
(x)	(द)	1951
(xi)	(द)	बॉम्बे प्लान
(xii)	(स)	अमेरिका।
(xiii)	(द)	मिस्र
(xiv)	(स)	राम मनोहर लोहिया
(xv)	(स)	इलाहाबाद उच्च न्यायालय
(xvi)	(अ)	जम्मू कश्मीर
(xvii)	(स)	22 वाँ
(xviii)	(द)	उत्तर प्रदेश

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
6	2.	(i) साम्यवादी 1
		(ii) 1992 1
		(iii) 2001 1
		(iv) इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन 1
		(v) 1961 1
		(vi) बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल 1
12	3.	(i) आसियान शैली :- आसियान देशों अनौपचारिक सहयोगात्मक, और टकराव रहित नीति पर काम क आसियान ने खूब यश कमाया इसे ही आसियान शैली 1 कहा जाता है
		(ii) दक्षिण एशिया पद मे सम्मिलित चार देश - भारत, पाकिस्तान 1, नेपाल, भूटान है।
		(iii) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 1 को की गई

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) मानवाधिकारों को सामान्यतः तीन कोटियों मे विभाजित किया गया है

(v) पृथ्वी सम्मेलन मे निम्न लिखित ने भाग लिया:— ✓ 170 देशो ने।
✓ हजारों स्वयंसेवी संगठनों ने।
✓ सैकड़ों बहुराष्ट्रीय निगमों ने।

(vi) वैश्वीकरण का अर्थ — एक अवधारणा के रूप मे वैश्वीकरण का बुनियादी अर्थ - प्रवाह होता है। प्रवाह कई तरह के हो सकते है- पूंजी, वस्तुओं, लोगो, विचारों आदि।
✓ वैश्वीकरण का अर्थ पारस्परिक जुड़ाव भी होता है।

(vii) वैश्वीकरण के लिए दो निम्नलिखित कारक जिम्मेदार है —
(क) प्रौद्योगिकी
(ख) पारस्परिक जुड़ाव।

(viii) सन् 2000 मे भारत मे निम्नलिखित तीन राज्य बने — छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, झारखंड।

(ix) 1957 मे केरल मे कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व मे एक गठबंधन सरकार बनी।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(x) शिमला समझौता 3 जुलाई 1972 में भारत व पाकिस्तान के मध्य हुआ था। भारत की ओर से इन्दिरा गाँधी व पाकिस्तान की ओर से जुल्फिकर अली भुट्टो ने हस्ताक्षर कीये।
		(xi) कर्पूरी ठाकुर बिहार राज्य के दो बार मुख्यमंत्री बने।
		(xii) सिंडिकेट के दो नेता :- (क) के कामराज (ख) एस निजालिंगप्पा।

खण्ड - ब

0/0 0	4.	सोवियत संघ के विघटन के दो परिणाम निम्नलिखित है :- (i) संघ की राजनीतिक और आर्थिक संस्थाओं की अंदरूनी कमजोरी :- संघ की राजनीतिक और आर्थिक संस्थाओं की अंदरूनी कमजोरी के कारण यह

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

संस्थाएँ लोगो की राजनीतिक और आर्थिक आंकाक्षाओ को पूरा नहीं कर सकी। यही विघटन का कारण था।

(ii) अर्थव्यवस्था का ठप होना :- सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कई सालो तक ठप रही। जिससे उपभोक्ता वस्तुओ मे बडी कमी आई।

Repeat

4. सोवियत संघ के विघटन के दो परिणाम निम्नलिखित है :-

(i) शीत युद्ध का अंत :- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका और सोवियत संघ के मध्य जो शीत युद्ध प्रारंभ हुआ था। वह 25 दिसम्बर 1991 को संघ के विघटन के साथ खत्म हो गया था।

1M

(2)

(ii) हथियारो की होड का समाप्त :- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से दोनो महाशक्तियाँ शक्ति-संतुलन के सिद्धांत पर चलती हुई परमाणु हथियारो और अन्य सैनिक साजो की होड मे थी जो संघ के विघटन के बाद समाप्त हो गई।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5. शीत युद्ध के समय भारत और सोवियत संघ के संबंध घनिष्ठ थे। और दोनो के संबंध बहु-आयामी थे –

• भारत और सोवियत संघ के सांस्कृतिक संबंध :- भारत और सोवियत संघ सांस्कृतिक संबंध मजबूत व घनिष्ठ थे। भारतीय हिन्दी फिल्मे व संगीत संघ के गणराज्यों मे प्रचलित थे। भारतीय फिल्मो मे राजकपूर से अमिताभ बच्चन तक संघ के गणराज्यों मे घर-घर जाने जाते हैं। भारतीय लेखको, कवियों और नेताओ ने संघ की यात्रा भी की है।

1

6. भारत व बांग्लादेश के मध्य विवाद के प्रमुख विषय :—

(i) बांग्लादेश द्वारा भारत मे प्राकृतिक गैस का निर्यात न करना :— भारत का मानना है कि बांग्लादेश भारत को पर्याप्त मात्रा मे प्राकृतिक गैसों का निर्यात नही कर रहा। जिससे इन

1M

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दक्षिण एशियाई देशो के संबंधो मे खट्टास पैदा हुई।

(ii) नदी जल विवाद :— भारत व बांग्लादेश के मध्य गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के पानी के बँटवारें को लेकर विवाद चल रहा है।

☞ फरक्का नदी जल समझौता :- भारत व बांग्लादेश के मध्य गंगा नदी के जल के बँटवार को लेकर दिस 1996 को फरक्का नदी जल समझौता हुआ।

---

7. भारत व नेपाल के संबंध :— भारत व नेपाल के संबंध गर्मजोशी से भरे हुए है और सौहार्दपूर्ण है। जैसे-

(i) दोनो देशो के मध्य एक संन्धि हुई है जिसके माध्यम से दोनो देशो के नागरिक बिना विजा या पासपोर्ट के आ - जा सकते है और काम कर सकते है।

फिर भी दोनो देशो की सरकारों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए है।

• भारत सरकार के नेपाल की सरकार पर आरोप :—

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) चीन-नेपाल की दोस्ती के कारण भारत ने अप्रसन्नता ज़ाहिर की।
(ii) नेपाल की सरकार भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कदम नहीं उठाती जिससे भी भारत ने अप्रसन्नता प्रकट की है।
(iii) भारत की सुरक्षा एजेंसियां नेपाल में चल रहे माओवादी आंदोलन को अपने लिए खतरा मानती है।

- नेपाल की सरकार के आरोप :- भारत व्यापार में बेईमानी, नदी जल के मामले दादा की तरह व्यवहार कर रहा है।

- निष्कर्ष :- विभेदों के बावजूद दोनों देशों के संबंध मधुर है।

---

8. • आतंकवाद :- आंतकवाद का आशय राजनीतिक खून खराबे से है। यह एक विश्वव्यापी समस्या है। इसमे बिना किसी मुरौव्वत (संकोश) के आम लोगों को निशाना बनाया जाता है। और जनमानस को आंतकित करता है।

- मानवता की सुरक्षा में आंतकवाद :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आज आंतकवाद एक प्रमुख, अपारम्पारिक सुरक्षा व मानवता की सुरक्षा, का खतरा बना हुआ है। इस समस्या के कारण मानव सभ्यता खतरे मे हैं।

· उदाहरण :- 11 सितम्बर 2001 मे ओसामा बिन लादेन के नेतृत्व मे अलकायदा नामक समूह द्वारा अमेरिका की वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला किया गया। जो विश्व का सबसे बड़ा आंतकी हमला माना जाता है। और इसमे 3000 व्यक्तियो की जान चली गई।

---

9. वैश्वीकरण के कारण वस्तुओं की तुलना मे लोगो का प्रवाह कम है जिसके दो निम्नलिखित:-

(i) वीजा नीति का कठोर होना:- विश्व के कई देशो की वीजा नीति कठोर है जिसके कारण लोगो को आसानी से विजा नहीं मिल पाता है जिसके कारण विश्व मे पूँजी व वस्तुओं की अपेक्षा लोगो की आवाजाई कम है।

(ii) देशो द्वारा अपने नागरिको पर्याप्त रोजगार देना :- विश्व के विभिन्न देशो ने अपने नागरिको को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध करवाया है जिससे लोगो की आवाजाही मे कमी आयी है।

1/1

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

10. हैदराबाद के भारत विलय मे निम्न-लिखित समस्याऐं आयी हैं :-

(i) हैदराबाद के शासक निजाम (उस्मान अली) स्वतंत्रता के समय अपनी रियासत को आजाद रियासत का दर्जा दिलाना चाहता था जो सबसे बड़ी समस्या थी।

9

(ii) रजाकार :- निजाम द्वारा तेलगाना किसान विद्रोह को दबाने के लिए एक अर्द्ध सैनिक बल रवाना किया जो अंत हत्या लूटपाट और बलात्कार पर उतारू हो गये जिस कारण से भारतीय सेना को हस्तक्षेप करना पड़ा।

(iii) हैदराबाद के शासक से महिलाएँ सबसे ज्यादा पीड़ित थी।

(iv) निजाम भारतीय संघ मे शामिल होने से मुकर गया और इस्टूमेंट ऑफ एक्सेशन पर हस्ताक्षर नही किये।

↳ यह निम्नलिखित समस्याएँ आयी थी।

BSER-181 2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. ~~हम~~ मैं, मतपत्र और इलेक्ट्रोनिंग वोटिंग मे से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को श्रेष्ठ मानता हूं। जिसके पक्ष मे दो कारण निम्न हैं :—

(i) लागत के लिहाज से सस्ती :— मतपत्र में लागत अत्याधिक आती है और इसमें स्टील के बॉक्सो का प्रयोग होता है। बल्कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन लागत की दृष्टि से सस्ती है।

(ii) मतगणना मे आसानी :— EVM के प्रयोग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें मतगणना तुरंत हो जाती है अर्थात् मतगणना मे ज्यादा समय नही लगता है और चुनाव परिणाम जल्दी आ जाता है।

- अन्य :— चुनाव ~~अभियान~~ व मतदान जल्दी हो जाता है।

12. भारत व चीन के मध्य 1962 में हुए युद्ध के दो कारण :—

(i) लद्दाख के क्षेत्रो को लेकर विवाद :— लद्दाख के अक्चाई चिन क्षेत्रो पर प्रतिस्पर्धी दावो के चलते दोनो देश झगड़ गये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

चीन का मानना था कि यह क्षेत्र चीन का है बल्कि भारत ने इसका विपरीत रुख अपनाया।

(ii) अरुणाचल प्रदेशों के क्षेत्र को लेकर विवाद :-

अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों जिन्हे उस समय नेफा (उत्तर पूर्वी सीमांत प्रांत) कहा जाता था, को लेकर दोनो देश झगड़ गये।

• अन्य - पाकिस्तान - चीन आर्थिक गलियारा।

आंतकवादी विरोधी भारतीय प्रस्ताव को UNO मे पाकिस्तान का समर्थन।

13. दल - बदल :- जब कोई जन प्रतिनिधि किसी चुनाव मे, किसी खास राजनीतिक दल के चुनाव - चिन्ह को लेकर चुनाव लड़े और जीत जाए और चुनाव जीतने के बाद किसी अन्य राजनीतिक दल मे चला जाए तो उसे दल बदल कहा जाता है।

1967 के चौथे आम चुनाव

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दल - बदल की प्रवृति को देखा गया। जिसके कारण काँग्रेस को तीन राज्यो मे सत्ता गंवानी पड़ी।

☞ 'आया राम गया राम' का जुमला दल बदल से संबंधित है।

☞ 52 वाँ संविधान संशोधन 1985 दल - बदल पर रोक लगाता है जिसका उल्लेख संविधान की दशवी अनुसूची मे है।

खण्ड - स

14. यूरोपीय संघ अपने आप मे एक अधिराष्ट्रीय संगठन है और विशाल राष्ट्र राज्य की तरह कार्य कर है। जिसके पक्ष मे निम्नलिखित तर्क है :—

(1) यूरोपीय संघ आर्थिक सहयोग वाली व्यवस्था से बदलकर ज्यादा से ज्यादा राजनीतिक रूप लेता गया। जिससे वह एक राष्ट्र राज्य की तरह कार्य कर रहा है।

(2) हालांकि इसकी एक संविधान बनाने की कोशिश तो असफल हो गयी पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसको अपना झंडा, मान, स्थापना दिवस और सांझी मुद्रा (यूरो) है।

(3) दूसरो देशो से संबंधो के मामलों इसकी सांझी विदेश और रक्षा नीति है।

(4) एक अधिराष्ट्रीय संगठन के तौर पर यूरोपीय संघ सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मामलों मे दखलदाजी करने में समर्थक है।

इन कारणों से हम कह सकते है कि यूरोपीय संगठन अपने आप में एक अधिराष्ट्रीय संगठन है और विशाल राष्ट्र राज्य की तरह कार्य कर रहा है।

---

15. • खनिज उद्योग :- खनिज उद्योग पृथ्वी पर मौजूद सबसे ताकतवर उद्योगो में से एक है। यह उद्योग पृथ्वी के भूगर्भ से प्राकृतिक संसाधनो को निकालने का काम करते है। बहुराष्ट्रीय निगमो ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के

(3)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

माध्यम विकासशील देशो के संसाधनो का दोहन किया है।

• विश्व के विभिन्न भागों मे खनिज उद्योगो का विरोध करने के निम्नलिखित तीन कारण है :-

(1) पृथ्वी का दोहन :- खनिज उद्योगो ने व्यापक स्तर पर पृथ्वी का दोहन किया है और प्राकृतिक खनिजो को पृथ्वी पर लाकर उसका दोहन करके पर्यावरण को भी प्रदूषित किया है।

(2) अत्याधिक रासायनिक पदार्थो का प्रयोग :- खनिज उद्योग मे अत्याधिक मात्रा मे रासायनिक पदार्थो का उपयोग किया जाता है जिससे भू - प्रदूषण बढ़ा है। और खेत बंजर हो गये है। और वायु प्रदूषण भी बढ़ा है।

(3) स्थानीय वनस्पति को नुकसान और लोगो का विस्थापन :- खनिज उद्योग से स्थानीय वनस्पति को काटा जा रहा है जिसके कारण लोगो को स्थापित होना पड़ा है। आदिवासियो को इसका अत्याधिक नुकसान हुआ है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

16 केरल मॉडल :- केरल मे विकास और नियोजन का जो रास्ता अपनाया गया था उसे ही केरल मॉडल कहा जाता है। जिसके अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओ, खाद्यान्नो का सरकारी वितरण, भूमि सुधार और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान दिया गया।

2

☞ इस मॉडल के बाद यह बात सुनिश्चित हो गयी की नियोजन सिर्फ केन्द्रीकृत नही होता बल्कि विकेन्द्रीकृत भी होता है।

☞ इस मॉडल से केरल मे शिक्षा सुविधा मे सुधार आया, स्वास्थ्य केन्द्र स्थानो पर खुले, प्रति व्यक्ति आय भी अविस्मरणीय ढंग से बढी।

• नव लोकतांत्रिक पहल :- सन 1987-91 के बीच मे केरल मे नव लोकतांत्रिक पहल नाम से अभियान चला जिसमे विकास के अभियान चले थे। जिसके अंतर्गत पर्यावरण और विज्ञान के मामले मे सत प्रतिशत

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

साक्षरता का अभियान शामिल है।

17

गोवा की मुक्ति

(1) पुर्तगाल का गोवा पर शासन :- 1947 मे अंग्रेजो का शासन भारत से हट गया था। लेकिन पुर्तगालियो ने गोवा, दमन, दीव से शासन हटाने इन्कार कर दिया था। 1510 ई मे पुर्तगाल पर अपना कब्जा किया था। तब से लंबे समय तक गोवा के लोगो का दमन और उन्हे नागरिक अधिकारो से वंछित रखा था।

भारत ने बातचीत के कई प्रस्ताव रखे लेकिन पुर्तगालियो ने प्रस्तावो को ठुकरा दिया।

(2) भारतीय सेना की कार्यवाही :— तब दिस 1961 भारतीय सेना ने कार्यवाही की और दो दिन मे गोवा को आजाद करा दिया। और गोवा, दमन, दीव को संघशासित प्रदेश बनाया।

(3) गोवा के भारत मे राज्य बनने का घटना क्रम :—

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) गोवा के विलय को लेकर मतभेद :-

गोवा मुक्त तो होगया लेकिन इसके अब विलय को लेकर गहरे मतभेद थे। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के नेतृत्व में एक तबके का मानना था कि गोवा का विलय महाराष्ट्र में कर देना चाहिए क्योंकि यह एक मराठी भाषी क्षेत्र है।

बल्कि बहुत से गोवावासियों का मानना था कि गोवा की पहचान को स्वतंत्र रखा जाए और उनके मन में कोंकणी भाषा को लेकर सम्मान था। इसका नेतृत्व यूनाइटेड गोअन पार्टी ने किया।

(2) जनमत संग्रह :- जनवरी 1967 में जनमत संग्रह हुआ और गोवावासियों ने गोवा से रहने का पक्ष सुना। अर्थात गोवा वासीयों से पूछा गया कि गोवा रहना चाहते हो या महाराष्ट्र।

(3) इस प्रकार गोवा को एक संघशासित प्रदेश बनाया और 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिला।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18. (अ) गुजरात आंदोलन :— • शुरुआत :- इस आंदोलन की शुरुआत जनवरी 1974 में हुई और जब बड़ी राजनीतिक पार्टियाँ इस आन्दोलन मिल गयी तो इसने विकराल रूप धारण कर लिया। गुजरात में राष्ट्रपति

• कारण :- इस आंदोलन के शुरुआत के कारणों में ~~खाद्यान~~, ~~आद~~ निम्न है :—

(i) महँगाई का बढ़ना :- इस आंदोलन की शुरुआत का प्रमुख कारण था। खाद्यान, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो गयी।

(ii) भ्रष्टाचार का बढ़ना :- इस आंदोलन का दूसरा प्रमुख कारण उच्च पदों पर जारी भारी भ्रष्टाचार था और पूरे देश में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रष्टाचार में वृद्धि हो गई थी।

• माँगें :— इस आंदोलन की प्रमुख माँगे निम्न थी :—

(1) गुजरात की काँग्रेस सरकार को बर्खास्त किया जाए और नए सिरे से चुनाव करवाये जाए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

• परिणाम :- (1) जैसे आंदोलन हुआ गुजरात में अनु 356 का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति शासन लागू होगया।
(2) जून 1975 में गुजरात की विधानसभा के नए सिरे से चुनाव हुए।

(ब) बिहार आंदोलन :-
• शुरुआत :-
बिहार आंदोलन की शुरुआत मार्च 1974 में हुई थी।

• कारण :- (1) बिहार की क महँगाई, खाद्यान्न का अभाव बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के कारण यह आंदोलन हुआ था।

• माँगे :- (i) इस आंदोलन की प्रमुख माँग थी कि बिहार की कॉंग्रेस को बर्खास्त किया जाए।
(ii) जय प्रकाश नारायण ने आर्थिक राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्र में सम्पूर्ण क्रान्ति का आह्वान किया।

• नारा :- "सम्पूर्ण क्रान्ति अब नारा है भावी इतिहास हमारा है।"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

नेतृत्व :- इस आंदोलन के क्रम बिहार के छात्रों ने जयप्रकाश नारायण को बुलावा भेजा। 1955 तक जेपी सक्रिय राजनीति छोड़ चुके थे और सामाजिक कार्यों में लगे हुए थे। जेपी ने नेतृत्व को स्वीकार किया इस तरह आंदोलन ने राजनीति क स्वरूप ग्रहण किया।

• जेपी की शर्तें :- जेपी आंदोलन का नेतृत्व स्वीकार करने से पहले कुछ शर्तें रखी :-

(i) आंदोलन का चरित्र अहिंसक ~~रहन~~ रहना चाहिए।

(ii) आंदोलन बिहार तक ही सीमित नही रहेगा।

• परिणाम :- (i) इस आंदोलन का प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ने लगा क्योंकि जेपी चाहते थे कि आंदोलन देश के दूसरे भागों में भी फैले।

(ii) जेपी ने जनता के संसद मोर्चे का नेतृत्व किया।

(iii) 25 जून 1975 में जेपी ने रामलीला

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मैदान मे घोषणा कि इंदिरा गाँधी को अपने पद से त्यागपत्र दिया जाए।

(iv) जेपी ने सरकारी कर्मचारियो से आह्वान किया की वे सरकार के अनैतिक और असंवैधानिक आदेशो का पालन न करे।

---

19. 1989 के बाद महत्वपूर्ण मसलो पर ~~व्याप~~ विभिन्न राजनीतिक दलो के मध्य व्यापक सहमति थी। जो निम्नलिखित है—

(1) नयी आर्थिक नीतियो पर सहमति :—

कई समूह नयी आर्थिक नीतियो से असहमत थे लेकिन ज्यादातर राजनीतिक समूह इससे सहमत थे। उनका मानना था कि नयी आर्थिक नीतियो से देश समृद्ध बनेगा और विश्व की आर्थिक शक्ति बनकर उभरेगा।।

4

(2) पिछड़ी जाति के राजनीतिक व सामाजिक दावे की स्वीकृति :—

राजनीतिक

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दलों ने यह स्वीकार किया कि पिछड़े वर्ग को ~~राजनी~~ शिक्षा ~~और~~ राजनीतिक व सामाजिक दावे की स्वीकृति आवश्यक है। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आरक्षण देने के सरकार पक्ष में थी।

राजनीतिक दल यह भी स्वीकार करने के लिए तैयार थी कि अन्य पिछड़ा वर्ग को राजनीति व शासन में समुचित सत्ता मिले।

(3) देश के शासन में प्रांतीय दलों की भूमिका की स्वीकृति :—

राष्ट्रीय और प्रांतीय दलों के मध्य भेद लगातार कम होता जा रहा है। पिछले 20 वर्षों में प्रांतीय दलों की भूमिका ~~क~~ महत्वपूर्ण रही।

(4) विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर और विचारधारागत सहमति के बगैर राजनीतिक गठजोड़ :—

कई वर्षों में विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर जोर दिया गया और विचारधारा गत सहमति के बगैर राजनीतिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गठजोड़ किया गया। जैसे :-
बहुत से दल भाजपा की हिंदुत्व की विचारधारा से सहमत नहीं है फिर भी वे भाजपा के साथ बने रहते है पांच साल का कार्यकाल पूरे करते है।

↳ इस आधार पर कहा जा सकता है कि विभिन्न विरोधों के बावजूद कुछ मुद्दों पर व्यापक सहमति थी।

समाप्त

BSER-181/2026

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026

राजनीति विज्ञान

POLITICAL SCIENCE

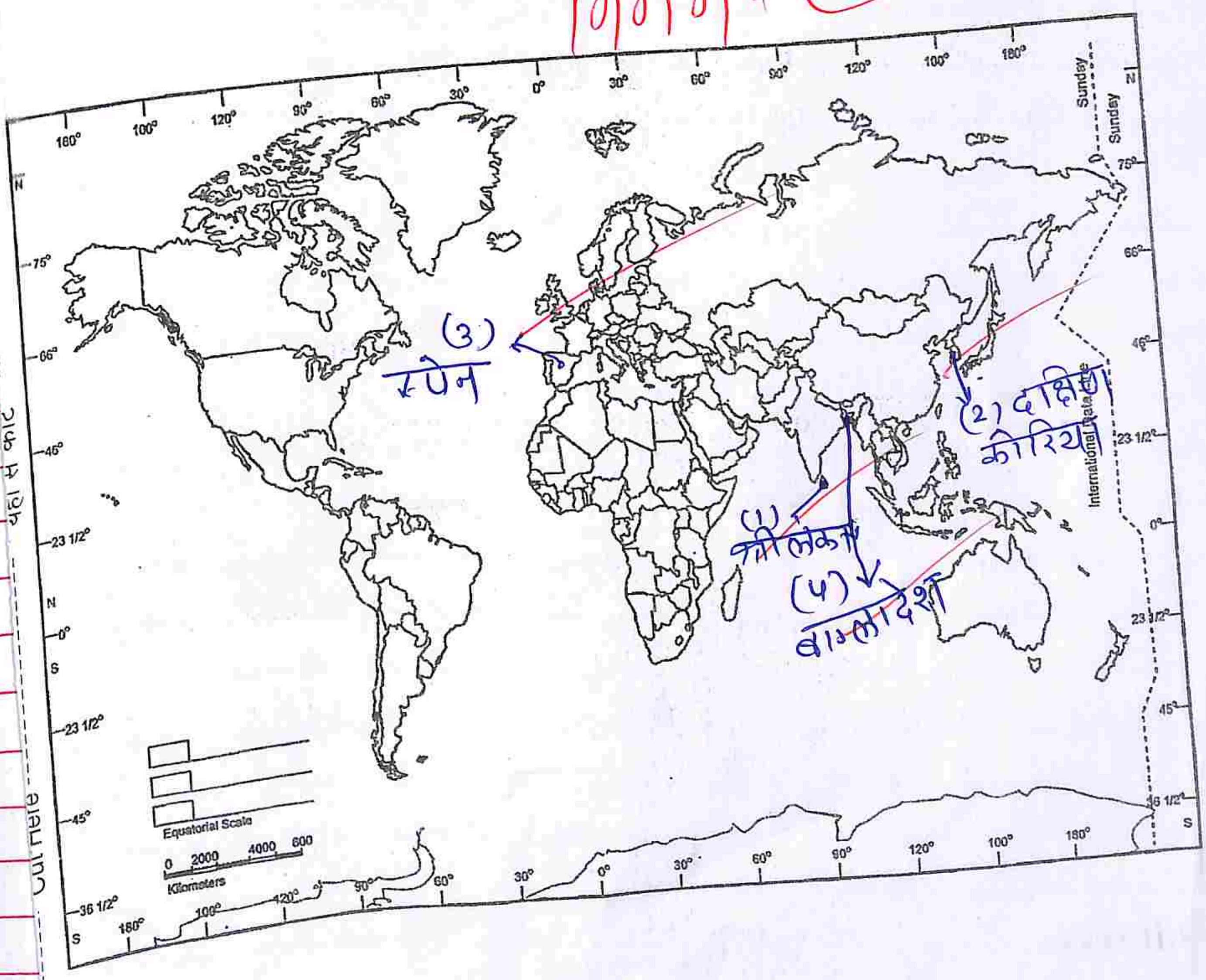

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

...क द्वारा ...त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026